॥ ॐ ॥

मणिधारी श्रीजिनचन्द्रसूरि

जैन समाज में सुप्रसिद्ध दादा सज्ञक खरतरगच्छ के चार[1] आचार्यों में श्रीजिनदत्तसूरिजी के अनन्तर मणिधारी श्रीजिनचन्द्रसूरिजी का पुनीत नाम आता है। ये बड़े प्रतिभाशाली विद्वान एवं प्रभावक आचार्य थे। केवल २६ वर्ष की अल्पायु पाकर इन्होंने जो कार्य्य किये वे सचमुच आश्चर्यजनक और गौरवपूर्ण हैं। गुरुवर्य्य श्रीजिनदत्तसूरिजी ने इनकी प्रतिभा की सच्ची परख की थी, उनके लोकोत्तर प्रभाव की गहरी छाप श्रीजिनचन्द्रसूरिजी के जीवन मे अङ्कित पाई जाती है। मणिधारीजी का व्यक्तित्व महान एवं असाधारण था। इसी का सक्षिप्त परिचय इस लघु पुस्तिका मे दिया जा रहा है।

---

१ श्रीजिनदत्तसूरि, चरित्रनायक श्रीजिनचन्द्रसूरि, श्रीजिनकुशलसूरि और युगप्रधान श्रीजिनचन्द्रसूरि—इनमे से पिछले दो आचार्यों का चरित्र हम पूर्व प्रकाशित कर चुके हैं। श्रीजिनदत्तसूरिजी का चरित्र शीघ्र ही प्रकाशित करेंगे।